%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 669

NO. 351

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Simhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 785; A. R. No. 277-D of 1899 )

Ś. 1297

(१।) स्वस्ति [।।] श्रीसिहाद्रीशपादांवुजकलि… म[णि]स्सर्व्वलो-

{कु}कामिरामो वि(वि)ध्यातोरु प्र-

(२।) तापस्सकलगुणनिधिर्द्दानशौण्डी धरायां । सर्व्वाभीष्टप्रदानादन-

वरतम[शे]ष [प्र]जा-

(३।) तोषकारी स जीया[जन्न]वेम क्षितिपतितिलको य(या)वदा-

च[ं]द्रा(द्र)त(ता)रं । [ं] तस्य क्षोणिपते-

(४।) च्चिर तनसुहृन्मंत्री च सत्सम्मत[ः] श्रीमान चेन्नम[ना]यको

गुणनिधिभूर्देव देवद्रुमः । श्रीमीनान्वयमे-

(५।) दिनीशतिलकात् संप्राप्य वीरार्जुनात् ग्रामं श्रीकरमग्रहार-

मकरोत्तगोटिवाडाभिध ।। [२] शाकाव्दे मुनि-र-

(६।) त्न-भानुगणिते वैशाखा(ख)मासे सिते सोयं विष्णुतिथौ

वुधस्य दिवसे स्वाभीष्टसंसिद(द्ध)ये [।] [खा]रीषट्कमितां भु-

(७।) बन्नरह[रेः] श्रीसिंहशैलेशितु स्सप्रादाज्जगनोप्पग ड विरुदश्शेषं

द्विजेभ्यस्ततः ।। [।] श्रीशकवर्षवुलु [१]

<1. In the eleventh niche of the verandah round the central shrine of this temple.>

%%p. 670

(८।) २९७ गुनेंटि वैशाख विमल तृतीया वुधव(वा)र मुनांडु<2>

अनवेमयरेड्डि प्रधानि नारणदासुल को-

(९।) डुकु चेन्नमन(ना)युंडु तनकु ओड्डदि अर्ज्जनदे[व]राजुचे-

वडशिना उरु गोट्टिवाडं [त]न विभीष्ट(ष्टा)त्थसिद्धिगा श्रीन-

(१०।) रसिंहन(ना)थुनि धु(धू)पकालमंदु नित्यमुन्नु कोलुवनु ई

गोटिवाडनु आरु पुट्लु जलक्षेत्रमु श्रीभंड(डा)-

(११।) रनकुं पद्मनिघिगं वेटि एडु निवंधालु वृत्तिगां वडशि

एडलुगुरु व्राह्यलकुं वेटेनु श्रीकार्यमु-

(१२।) नयुनिकि गोडवु तम्मिना माघवनायुनिकि गोडवु चंद्रश्रिगु-

नायुनिकि दिव्यकोल तित्तिरि चिगु-

(१३।) नायुनिकि तिरुमाल वेडि [अ]यन नायनिकि आलपटमु

अड्डमु[नु] अ[नंतु]नयुनिकि गरय ।।

(१४।) अट्टि चिंगनयुनिकि आलपट्टमुगां वेट्टेनु एडुगुरुल्लु तम कोलुवुलु को-

(१५।) लिचि निवंध समस्य प्रसाद कुंचालु ७ अप्पलु विड्यालु

जीतमु ई धम्मं श्रीवैष्णव रक्ष ।। ० ।।

(१६।) शतृन्ना(णा)पि कृतो धर्म्म[ः] पालनीयो मनीषिभिः [।]

शत्रुरेव हि शत्रुस्याद्धर्म्म[ः]शत्रुन्न कस्य-

(१७।) चित् ।।०।। श्री श्री श्री ।। [वै]लिनर[सिह्य]नायुनिकि

दिवकोल निवंधमु [१] गु

(१८।) सोमादुल न[र]हरि महासेनापतिकि गोडयु निवं[ध]मु

१ ई कोलुवुलु . . अरयनभीष्ट निवंधमु १ गु

<2. The corresponding date is the 4th April, 1375 A. D., Wednesday.>

%%p. 671

(१९।) चिगुनायक सि[ं]हं(ह)गिरि नायुनिकि

(२०।) गोडवु निवंधमु ११ कु ११ श्री

(२१।) मरिन्नि अनतवमायरेड्डिगारु तमकु

(२२।) अभीष्टात्त(थं) सिधि(द्धि)गानु श्रीनरसिह्यनाथुनिकि

(२३।) नित्यमुन्नु तिरुमल्यनु कडुव ओ १ च ध(द).

(२४।) नलागि आंदु आलपट १ । धूपान गो १ रात्रिदु(धू)

(२५।) पन अवसरमंदु दिव्यकोल १ तिरुवजा-

(२६।) मु अवसरमंदु आलपटमु १

(२७।) ग कोलुवुलु ५ कोलुवनु भंडा-

(२८।) रि श्रीरामनायुनि अल्लुडु श्रीरा-

(२९।) मनायुनिकिकि गडमाडलु ७५

(३०।) पेटितिमि इतंडु आचंद्रार्क स्ता-

(३१।) इगानु ई कोलुवुल समस्यन कोलु-

(३२।) वंगलांडु श्री श्री श्री [।।]